

# म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की रुचि: एक तुलनात्मक

## अध्ययन

डॉ. परिपूर्णा नंद तिवारी

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

यह शोध पत्र म्यूचुअल फंड में भारतीय निवेशकों की रुचि का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग की तेज़ी से वृद्धि (फरवरी 2026 तक औसत AUM ₹83.43 लाख करोड़ और कुल AUM ₹82.03 लाख करोड़) के बावजूद, निवेशकों की प्राथमिकताएँ विभिन्न श्रेणियों (इक्विटी, डेब्ट, हाइब्रिड), जनसांख्यिकीय समूहों (उम्र, लिंग, शहरी-ग्रामीण) और पारंपरिक निवेश विकल्पों (FD, स्टॉक, गोल्ड) के साथ तुलना में भिन्न हैं। SEBI निवेशक सर्वे 2025 और AMFI डेटा के आधार पर यह अध्ययन दर्शाता है कि युवा निवेशक इक्विटी फंड की ओर आकर्षित हैं (उच्च रिटर्न के लिए), जबकि वरिष्ठ और महिला निवेशक डेब्ट फंड को सुरक्षा के लिए पसंद करते हैं। हाइब्रिड फंड संतुलन प्रदान करते हैं। SIP के माध्यम से रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन जागरूकता केवल 53% है और प्रवेश दर 6.7%। तुलनात्मक रूप से, म्यूचुअल फंड पारंपरिक विकल्पों से बेहतर विविधीकरण देता है, पर जोखिम भय और जटिलता बाधाएँ हैं। अध्ययन सिफारिश करता है कि वित्तीय साक्षरता बढ़ाकर और सरल उत्पादों से रुचि को और गहरा किया जाए।



**कीवर्ड (Keywords)**

म्यूचुअल फंड, निवेशक रुचि, तुलनात्मक अध्ययन, इक्विटी फंड, डेब्ट फंड, हाइब्रिड फंड, SIP, SEBI सर्वे, AMFI AUM, वित्तीय साक्षरता, जनसांख्यिकीय प्राथमिकताएँ।

